F8M4S1

11 सच्चा बालक

इस जीवन प्रसंग में सच्चाई का महत्त्व बताया गया है। जीवन में चाहे कितनी भी मुश्किलें आएँ पर जो मनुष्य अपने आदर्शों को नहीं छोड़ता है, वही महान बनता है।

एक समय की बात है। एक लम्बा काफ़िला बगदाद की ओर जा रहा था। रास्ते में उस पर डाकू टूट पड़े और लूटमार करने लगे। उस काफ़िले में एक नौ वर्ष का बालक था। वह एक ओर चुपचाप खड़ा रहकर इस लूटमार को देख रहा था।

एक डाकू की नजर उस लड़के पर पड़ी।

लड़के के पास आकर वह डाकू कड़ककर बोला, "तेरे पास भी कुछ है ?"

लड़का - "मेरे पास चालीस अशरफियाँ हैं।"

डाकू (चकित होकर) - "क्या कहा ? तेरे पास चालीस अशरफियाँ हैं ?"

लड़का - "जी हाँ !"

डाकू लड़के का हाथ पकड़कर सरदार के पास ले गया। उसने अपने सरदार से कहा, "यह लड़का अपने पास चालीस अशरफियाँ बताता है।"

सरदार (लड़के से) - "तेरी अशरफियाँ कहाँ हैं ?"

लड़के ने अपनी सदरी को फाड़कर उसमें छुपी अशरफियाँ निकालीं। उन्हें सरदार के सामने रखते हुए कहा, "यह देखो।"

सरदार (आश्चर्य से) - "लड़के ! अशरफियों को इस प्रकार से रखने का उपाय तुम्हें किसने बताया ?"

लड़का - "मेरी माँ ने इनको सदरी के अस्तर में सी दिया था जिससे किसी को पता न चले।"

सरदार - "तो तूने अशरफियों का पता हमें क्यों बता दिया ?"

लड़का - "मैं झूठ कैसे बोलता ? मेरी माँ ने कहा था, "बेटा, सदैव सच बोलना। झूठ बोलना पाप है।"

सरदार (डाकुओं से) - "यह छोटा बच्चा अपनी माँ का इतना कहना मानता है कि ऐसे संकट में भी झूठ नहीं बोला। हम लोग बड़े होकर भी ईश्वर के बताए नेक रास्ते पर नहीं चलते और लूटमार करते रहते हैं।"

सब डाकू - "सरदार, बात तो ठीक है।"

सरदार (डाकुओं से) - "इनका लूटा हुआ सामान इन्हें वापस कर दो।" (डाकुओं ने सब सामान वापस कर दिया और आगे कभी लूटमार न करने की प्रतिज्ञा की।)

सच बोलनेवाले इस बालक का नाम अब्दुल कादिर था। बड़ा होकर यह बालक महान सन्त हुआ। उनकी समाधि बगदाद में है। वहाँ प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए जाते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

शब्दार्थ

काफ़िला यात्रियों का समूह **अशरफ़ियाँ** सोने के सिक्के **वापस करना** लौटाना **सदरी** जाकिट **सरदार** नेता **अस्तर** सिले कपड़े के भीतर की तह **समाधि** मकबरा, मजार **माँ** जननी, माता **सदैव** हमेशा, सर्वदा **नेक** ईमानदार **ईश्वर** भगवान, प्रभु

मुहावरे

नेक रास्ते पर चलना सही रास्ते पर चलना।

कड़ककर बोलना कठोरता से बोलना।

अभ्यास

1. ऐसा क्यों कहा ?

(1) सरदार के पूछने पर लड़के ने कहा, "मेरे पास चालीस अशरफ़ियाँ हैं।"

(2) सरदार ने डाकुओं से कहा, "लूटा हुआ सामान वापस कर दो।"

2. पढ़िए और लिखिए :

(1) लड़का - "मेरे पास चालीस अशरफ़ियाँ हैं।"

(2) आसमान में घनघोर बादल छाए हैं।

(3) माँ ने कहा था, "बेटा, सदैव सच बोलना।"

(4) हमेशा सत्य की ही जीत होती है।

(5) हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है।

3. आप अब्दुल कादिर की जगह होते तो क्या करते ?

4. पढ़िए और समझिए :

(1) माँ × बाप

(2) बड़ा × छोटा

(3) सच × झूठ

(4) नेक × बेईमान

(5) प्रसिद्ध × अप्रसिद्ध

(6) आज × कल

(7) पास × दूर

5. 'सच्चा बालक' कहानी का कथन एवं लेखन कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

6. पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हिन्दी दैनिकपत्र

अहमदाबाद, रविवार 28 अगस्त, 2011

वडोदरा में पहली बार गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमा स्थापित

वडोदरा। उत्सवप्रिय नगरी वडोदरा में गणेशोत्सव के कुछ ही दिन शेष होने से शहर के छोटे-मोटे युवक मण्डलों द्वारा गणेशजी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए तैयारियाँ शुरु कर दी गई हैं। ऐसे समय पर्यावरण तथा पीओपी के प्रतिबंध को ध्यान में रख शहर के राजमहल रोड स्थित ताड़फलिया सार्वजनिक युवक मंडल ने इस वर्ष पहली बार गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय किया है। ताड़फलिया युवक मंडल द्वारा प्रथमबार २२ फुट ऊंची तथा आठ सौ किलो वजन की विशालकाय गणेशजी की प्रतिमा बनाने का बीड़ा उठाया गया है। प्रतिमा के निर्माण के लिए कोलकाता से विशेष मूर्तिकार तपन मंडल के कलाकारों को बुलाया गया है। यह कलाकार पिछले डेढ़ माह से शहर का मेहमान बना है तथा शास्त्रोक्त विधि के अनुसार वह गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमा को अंतिम रूप दे रहा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न (1) अखबार में छपा समाचार कब प्रसिद्ध हुआ है ?

(2) समाचार की हेडलाइन पढ़िए।

(3) समाचार किसके बारे में है ?

(4) समाचार पत्र के संदर्भ में कोई चार प्रश्न बनाकर उत्तर लिखिए।

(5) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द ढूँढ़िए :

नगर, बड़ी, गणपति, खास, अतिथि, मूर्ति

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) काफ़िला कहाँ जा रहा था ?

(2) बालक की उम्र कितनी थी ?

(3) लड़के के पास कितनी अशरफ़ियाँ थीं ?

(4) लड़के ने अशरफियाँ कहाँ रखी थीं ?

(5) लड़के की माँ ने उसे क्या सीख दी थी ?

(6) डाकुओं ने लड़के से क्या सीखा ?

(7) सच बोलनेवाला बालक कौन था ?

(8) अब्दुल कादिर की समाधि कहाँ है ?

2. सही जोड़े मिलाइए और वाक्यप्रयोग कीजिए :

(1) कड़ककर बोलना	(1) सही रास्ते पर चलना
(2) घुटने टेकना	(2) निर्वाह करना
(3) नेक रास्ते पर चलना	(3) खुश होना
(4) आँखों का तारा	(4) कठोरता से बोलना
(5) कान फूँकना	(5) हार मानना
	(6) बहुत प्यारा
	(7) कान में कहना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

योग्यता-विस्तार

- अपने पुस्तकालय से पुस्तक लेकर हरिश्चंद्र, गाँधी जी, युधिष्ठिर आदि महापुरुषों के प्रेरक प्रसंग पढ़िए और संकलन कीजिए।

शिक्षक के लिए

प्रस्तुत कहानी का नाट्य रूपांतर करके कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

सोचिए और लिखिए :

(क) सच बोलने पर आपकी कब बहुत प्रशंसा हुई ?

(ख) आपको झूठ बोलने पर डाँट कब मिली ? उसके बाद क्या हुआ ?

पढ़िए और समझिए

- पर्यावरण की रक्षा करना हमारा धर्म है।
- हमेशा सच बोलना चाहिए।
- सत्य ही ईश्वर है।
- गांधीजी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in